||दूर नगरी बड़ी दूर नगरी भजन||

Chalisamantras.com

दूर नगरी बड़ी दूर नगरी,
कैसे आऊं मैं कन्हैया,
तेरी गोकुल नगरी,
कैसे आऊं मैं कन्हैया,
तेरी गोकुल नगरी,
बड़ी दूर नगरी ।

कान्हा दूर नगरी, बड़ी दूर नगरी
कान्हा दूर नगरी, बड़ी दूर नगरी

रात में आऊं तो कान्हा, डर मोहे लागे,
दिन में आऊं तो देखे सारी नगरी,
बड़ी दूर नगरी ।

कान्हा दूर नगरी, बड़ी दूर नगरी,
कैसे आऊं मैं कन्हैया,
तेरी गोकुल नगरी,
बड़ी दूर नगरी ।

सखी संग आऊं कान्हा, शर्म मोहे लागे,
अकेली आऊं तो भूल जाऊ डगरी,
बड़ी दूर नगरी ।

कान्हा दूर नगरी, बड़ी दूर नगरी,
कैसे आऊं मैं कन्हैया,
तेरी गोकुल नगरी,
बड़ी दूर नगरी ।

धीरे धीरे चालूँ कान्हा, कमर मोरी लचके,
झटपट चालूँ तो छलकाए गगरी,
बड़ी दूर नगरी ।

Chalisamantras.com

कान्हा दूर नगरी, बड़ी दूर नगरी,
कैसे आऊं मैं कन्हैया,
तेरी गोकुल नगरी,
बड़ी दूर नगरी ।

दूर नगरी बड़ी दूर नगरी,
कैसे आऊं मैं कन्हैया,
तेरी गोकुल नगरी,
कैसे आऊं मैं कन्हैया,
तेरी गोकुल नगरी,
बड़ी दूर नगरी ।

Chalisamantras.com

Chalisamantras.com